दैनिक ट्रिब्यून

शनिवार, 14 जनवरी, 2006

और बेहतर गायक बनने का प्रयास कर रहा हूं : अरनब चक्रवर्ती

फिल्म 'खाकी' में अक्षय कुमार के लिए गायकी कर चर्चा में आये अरनब चक्रवर्ती की अगली फिल्म 'फैमिली' जल्दी ही प्रदर्शित होने वाली है। निर्देशक राजकुमार संतोषी ने अरनब चक्रवर्ती को दोबारा अपनी अगली फिल्म 'फैमिली' में अक्षय कुमार के लिए गीत गवाकर एक तरह से बॉलीवुड में उनकी जगह पक्की कर दी है। अरनब ने 'फैमिली' में तीन गीत गाए हैं। इन्हीं सब बातों को लेकर अरनब से यह खास बातचीत :

'फैमिली' का प्रस्ताव किस तरह मिला ?

—राजकुमार संतोषी की पिछली फिल्म 'खाकी' में गाया मेरा गीत 'वादा रहा ...' हिट रहा था, जिसके लिए मुझे 2005 में लंदन के 'एक्सेल अरेना' में आयोजित हुए 'जी सिने' अवार्ड में श्रेष्ठ पुरुष गायक का नामांकन भी मिला था। इस गीत की कामयाबी के साथ मैं भाग्यशाली रहा कि इसी टीम के साथ मुझे 'फैमिली' में गाने का मौका मिला है। संगीतकार राम संपत 'खाकी' में गाये मेरे एकल गीत 'वादा रहा ...' से इतने खुश एवं संतुष्ट थे कि उन्होंने मुझे अपनी इस फिल्म 'फैमिली' में तीन गीत गवाए हैं।

'खाकी' के एक गीत के मुकाबले 'फैमिली' में अक्षय कुमार के लिए तीन गीत ... ?

—जी हां, और मजे की बात यह है कि 'कतरा ... कतरा...', 'जनम जनम ...' और 'क्विक बाइट ...' तीनों गीत एक-दूसरे से डिफरेंट अंदाज के हैं।

विज्ञापन फिल्मों, रीमिक्स और अब फिल्मों में गायकी के बाद आपको एक पहचान मिली है, क्या यह एक सोची-समझी रणनीति थी ? आपको इन तीनों माध्यमों में से किस में सबसे ज्यादा संतुष्टि मिली है ?

—प्रत्येक माध्यम का अपना एक अलग आकर्षण होता है, जबकि रचनात्मकता चाहे किसी भी क्षेत्र की हो, वह संतुष्टि देती है। हां, 'रिमिक्स' एक बड़ा परीक्षण क्षेत्र है, जहां पर क्लासिक गीतों को दोबारा प्रस्तुत किया जाता है। वहां हमेशा गीत के दोनों संस्करणों के बीच तुलना होती है, जो गायक के अपने आत्मविश्लेषण में काफी सहायक होती है। विज्ञापनों के लिए जिंगल्स गाना भी काफी चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि वहां चंद सैकेंड में एक प्रोडक्ट (उत्पाद) से संबंधित मानवीय भावों को प्रस्तुत करना पड़ता है।

आप मूल रूप से कोलकाता के रहने वाले हैं, तब किस तरह से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आपका प्रवेश संभव हो पाया ?

—छह साल पहले मैं कोलकाता से मुंबई आया था। शुरुआत ठीकठाक ही रही थी। मैंने अपनी आवाज का एक डेमो टेप बनवाया और संगीतकारों के दफ्तर के चक्कर काटने लगा। इस क्रम में मैंने रिमिक्स, जिंगल्स और क्षेत्रीय भाषा की फिल्मों में गीत गाए। अब हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में गा रहा हूं।

गायकी का प्रशिक्षण किस तरह से प्रभावी होता है ?

—मैंने गायकी का औपचारिक प्रशिक्षण गुरु श्री गौतम मुखर्जी से लिया है। पंडित अच्युत ठाकुर के सान्निध्य में मैंने मुंबई यूनिवर्सिटी से सुगम संगीत के तहत दो वर्ष का पीजी डिप्लोमा किया है।

संगीत भाषा से परे होता है, पर आपने बंगाली, तेलुगू, आसामी और उड़िया आदि भाषाओं में गायन किया है ?

—जी हां, 'वादा रहा ...' की लोकप्रियता के बाद भी मैंने असमी, उड़िया, बंगाली और तेलुगू आदि के गीत गाये हैं। दक्षिण में गायन का सिलसिला एमएम करीम के साथ शुरू हुआ। विभिन्न भाषाओं में गायन से मुझे एक तरह का आत्मविश्वास और संतुष्टि मिलती है।

आपको अक्षय कुमार की आवाज कहा जा रहा है। इस बारे में आप क्या कहते हैं ?

—मैं इसके लिए ईश्वर को धन्यवाद करता हूं। साथ ही उन सुनने वालों और मेरी मदद करने वालों का शुक्रगुजार हूं, जिनकी वजह से मैं आज यहां हूं।

❑ पाखी